PUBLICATION NAME :	Pratah Kiran
EDITION :	Patna
DATE :	20/04/24
PAGE :	7

ईडीआईआई ने पीजीडीएम इन एंटरेप्रेन्योरशिप पीजीडीएम इन इनोवेशन, एंटरेप्रेन्योरशिप एण्ड वेंचर डेवलपमेन्ट प्रोग्रामों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

यूएसएएसबीई आउटस्टैंडिंग एंटरेप्रेन्योरशिप प्रोग्राम अबरॉड अवॉर्ड 2014 द्वारा सम्मानित

- ऑल इंडिया काउन्सिल फॉर टेकनिकल एजुकेशन द्वारा अनुमोदित
- नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन द्वारा मान्यता प्राप्त

प्रात: किरण, संवाददाता

पटना। एंटरेप्रेन्योरशिप डेवलपमेन्ट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ई.डी.आई.आई), ने अपने 2-वर्षीय पीजीडीएम प्रोग्रामोंरू पीजीडीएम इन एंटरेप्रेन्योरिशप पीजीडीएम इन इनोवेशन, एंटरेप्रेन्योरशिप एण्ड वेंचर डेवलपमेन्ट के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। ये प्रोग्राम उभरते एंटरेप्रेन्योर्स और उन लोगों के लिए डिजाइन किए गए हैं जो समाज पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करना चाहते हैं। 2024-2026 बैच के लिए आवेदन की अंतिम दिनांक 27 अप्रैल 2024 है, और इंटरव्यू की शुरूआत 30 अप्रैल 2024 को होगी। उम्मीदवार सीधे वेबसाईट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए बसपबा डॉ पंकज भारती एसोसिएट प्रोफेसर ई.डी.आई.आई. ने कहा कि ई.डी.आई.आई. का पीजीडीएम-ई, प्रोग्राम अपने 27वें बैच में है, जो उद्यमियों एवं मैनेजमेन्ट के पेशेवरों के लिए डिजाइन किया गया व्यापक दो-वर्षीय, फुल टाईम कोर्स है। इस कोर्स में छह ट्राइमेस्टर्स हैं, जहां छात्रों को एंटरेप्रेन्योरशिप से जुड़े विभिन्न पहलुओं में कौशल हासिल करने, क्रिटिकल थिंकिंग एवं हैण्ड्स-ऑन लर्निंग (व्यवहारिक कौशल) सीखने का मौका मिलता है। इसके स्पेशलाइजेशन्स में शामिल हैंरू उद्यम के विकास पर फोकस करने वाला न्यू एंटरप्राइज क्रिएशन (एनईसी); पारिवारिक कारोबार के लिए फैमिली बिजनेस मैनेजमेन्ट (एफबीएम) और स्थायी विकास के लिए इनोवेटिव लीडर्स बनाने वाला सोशल एंटरेप्रेन्योरशिप (एसई)। इस कोर्स में छात्रों को गहन प्रशिक्षण, संरक्षण और मार्गदर्शन दिया जाता है, उनके चुने हुए मार्ग के आधार पर विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट के साथ यह कोर्स पूरा होता है। उन्होंने ने आगे बताया कि ई.डी.आई.आई. का पीजीडीएम इन इनोवेशन, एंटरेप्रेन्योरशिप एण्ड वेंचर डेवलपमेन्ट दो-वर्षीय फुल टाईम प्रोग्राम है जिसे एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह व्यापक कोर्स आधुनिक आइडिया को स्थायी बिजनेस अवसर में बदलने के छात्रों के कौशल को अपग्रेड करता है। टेक्नोलॉजी आधारित इनोवेशन पर फोकस करते हुए छात्रों को अपने आधुनिक तरीके से लीड करने, पूंजी सुरक्षित करने और कॉम्पलेक्स मार्केट के बारे में जानने का मौका मिलता है। व्यवहारिक लर्निंग, विशेषज्ञों के मार्गदर्शन और इंडस्ट्री के एक्सपोजर के साथ छात्र उद्यम में सफलता हासिल करने के लिए जरूरी कौशल विकसित कर सकते हैं और समाज पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकते हैं। प्रवेश के लिए योग्यता के मानदण्डः किसी मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी से न्यूनतम 50 फीसदी अंकों के साथ ग्रेजुएशन क्वालिफाइंग मैनेजमेन्ट टेस्ट स्कोर (कैट/मैट/जैट/ एटीएमए/सी-मैट) फाइनल ईयर के ग्रेजुएट्स आवेदन कर सकते हैं उन छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्होंने टेक स्टार्टअप्स स्थापित किए हैं, जो स्टार्ट-अप स्थापित करने में रूचि दिखा रहे हैं या जिन्होंने भारत सरकार की स्टार्ट-अप योजना के तहत पेंटेंट/ टेक्नोलॉजी कमर्शियलाइजेशन/ स्टार्ट-अप सर्टिफिकेशन के लिए आवेदन किया है। 40 वर्षों की धरोहर के साथ ई.डी.आई.आई. का दुनिया भर में 1800 से अधिक सफल एल्युमनाई का नेटवर्क है और संस्थान ने 1000 से अधिक पारिवारिक कारोबारों को सक्षम बनाया है। ऐसे में महत्वाकांक्षी छात्र ई.डी.आई.आई. के साथ बदलावकारी यात्रा की शुरूआत करने के लिए इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। ई.डी.आई.आई. राज्य सरकार के विभागों, मंत्रालयों, कॉर्पोरेट्स एवं बहुआयामी एजेन्सियों के साथ मिलकर ऐसे प्रोग्राम लाता रहा है जो बिहार में उद्यमिता को सशक्त बनाएं। ऐसे ही कुछ उल्लेखनीय प्रोग्रामों में शामिल हैंः बिहार कौशल विकास प्रोग्राम जिसके तहत ई.डी.आई.आई. ने कुशल युवा प्रोग्राम के तहत बिहार के युवाओं को रोजगार कौशल प्रदान करने के लिए बिहार कौशल विकास निगम के साथ साझेदारी में आठ केन्द्र स्थापित किए हैं। जीआईजैड द्वारा स्पॉन्सर्ड संस्थान ने क्षमता निर्माण, काउन्सलिंग एवं मार्गदर्शन के माध्यम से वंचित समुदायों में स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण लघु-उद्यम विकास प्रोग्राम-प्रोजेक्ट संवृद्धि लॉन्च किया है। ईडीआईआई ने राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार के उद्योग विभाग के साथ साझेदारी की है। ई.डी.आई.आई. पूरे राज्य में उद्यमिता विकास हस्तक्षेप भी करेगा और अनुकूल वातावरण के निर्माण के लिए हितधारकों को संवेदनशील बनाएगा। ई.डी.आई.आई. ने बिहार राज्य की भावी महिला उद्यमियों के लिए उद्यमिता जागरुकता प्रोग्रामों का संचालन किया है। राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ साझेदारी में देश भर में 100 ऐसे प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे, और महिलाओं को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बिहार राज्य में उद्यमिता एवं कौशल विकास प्रोग्राम के तहत कई गतिविधियां की गई हैं इस प्रोग्राम का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के युवाओं जैसे एससी/एसटी/ महिलाओं, दिव्यांगों, पूर्व कर्मचारियों और बीपीएल को स्वरोजगार, उद्यमिता में सक्षम बनाना है।